भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न सं.*375

02.04.2018 को उत्तर के लिए

देश के जंगलों में आग लगने की घटनाएं

***375. श्रीमती जया बच्चनः**

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास विगत तीन वर्षों के दौरान जंगलों में आग लगने की घटनाओं की संख्या से संबंधित कोई आंकड़े हैं और यदि हां, तो जंगल-वार, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या यह सच है कि भारतीय वन सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में पचास प्रतिशत वन-क्षेत्र आग लगने की दृष्टि से असुरक्षित हैं, यदि हां, तो उक्त रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री
(डॉ. हर्षवर्धन)

(क) और (ख) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

'देश के जंगलों में आग लगने की घटनाओं' के संबंध में श्रीमती जया बच्चन द्वारा दिनांक 02.04.2018 को उत्तर के लिए पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 375 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) गत तीन वर्षों के दौरान भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून, जो इस मंत्रालय का एक अधीनस्थ संगठन है, द्वारा सूचित जंगलों में आग लगने की घटनाओं से संबंधित चेतावनियों की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा प्रकाशित भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2015 के अनुसार, अत्यधिक, मध्यम और कम दावानल संभावित क्षेत्रों का अनुमानित प्रतिशत क्रमश: 2.40 प्रतिशत, 7.49 प्रतिशत और 54.40 प्रतिशत है, जिससे अभिलिखित वन क्षेत्रों (आरएफए) का कुल 64.29 प्रतिशत क्षेत्र दावानल संभावित क्षेत्र बनता है। भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2015 में यथा प्रकाशित जंगल में आग लगने की विभिन्न घटनाओं के तहत अभिलिखित वन क्षेत्र में वन प्रकार समूह के श्रेणी-वार प्रतिशत का ब्यौरा अनुबंध-II में दिया गया है। उष्णकटिबंधी कांटेदार वन, उष्ण कटिबंधी शुष्क पर्णपाती वन और उपोष्ण कटिबंधी चौड़ी पत्तियों वाले वनों में दावानल की संभावना अधिक रहती है।

*****

अनुबंध- I

"देश के जंगलों में आग लगने की घटनाओं" के संबंध में श्रीमती जया बच्चन द्वारा दिनांक 02.04.2018 को उत्तर के लिए पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 375 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्रम सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	2015	2016	2017
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	24	8
2	आंध्र प्रदेश	1,075	1,699	1877
3	अरुणाचल प्रदेश	358	293	733
4	असम	1,656	1,766	1877
5	बिहार	45	321	272
6	चंडीगढ़	-	-	1
7	छत्तीसगढ़	1,272	2,808	4373
8	दादरा और नगर हवेली	-	-	0
9	दमन और दीव	-	-	0
10	दिल्ली	-	2	5
11	गोवा	-	10	32
12	गुजरात	117	262	574
13	हरियाणा	6	43	185
14	हिमाचल प्रदेश	22	199	170
15	जम्मू और कश्मीर	13	217	113
16	झारखंड	457	740	1133
17	कर्नाटक	295	831	1333
18	केरल	91	165	456
19	लक्षद्वीप	-	-	0
20	मध्य प्रदेश	294	2675	4781
21	महाराष्ट्र	721	1,874	3487
22	मणिपुर	1,286	1,105	1094
23	मेघालय	1,373	966	1454
24	मिजोरम	2468	1,318	1587
25	नगालैंड	722	678	930
26	ओडिशा	1,467	2,763	4416
27	पुडुचेरी	-	-	9
28	पंजाब	7	45	320
29	राजस्थान	90	66	260
30	सिक्किम	3	-	8
31	तमिलनाडु	95	113	301
32	तेलंगाना *	1,052	1,154	1748
33	त्रिपुरा	476	346	431
34	उत्तर प्रदेश	130	691	1170
35	उत्तराखंड	207	1501	376
36	पश्चिम बंगाल	138	142	364
	कुल योग	**15,937**	**24,817**	**35,888**

अनुबंध- II

'देश के जंगलों में आग लगने की घटनाओं' के संबंध में श्रीमती जया बच्चन द्वारा दिनांक 02.04.2018 को उत्तर के लिए पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 375 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्र.सं.	वन प्रकार समूह	आग लगने की घटनाओं की श्रेणी			
		अधिक	मध्यम	छुटपुट	कोई घटना नहीं
1	उष्णकटिबंधीय नम सदाबहार वन	1.10	3.12	24.96	70.82
2	उष्णकटिबंधीय अर्ध-सदाबहार वन	0.74	3.22	63.87	32.17
3	उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन	0.77	5.81	59.70	33.72
4	तटीय और दलदलीय वन	0.00	6.25	17.50	76.25
5	उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन	3.95	8.51	53.94	33.60
6	उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन	6.36	13.94	56.97	22.73
7	उष्णकटिबंधीय शुष्क सदाबहार वन	11.11	27.78	38.89	22.22
8	उपोष्णीय चौड़े पत्तों वाले पर्वतीय वन	0.00	5.80	83.33	10.87
9	उपोष्णीय देवदार वन	4.49	24.08	44.90	26.53
10	पर्वतीय नम समशीतोष्ण वन	0.00	4.77	52.37	42.86
1 1	हिमालयी आर्द्र समशीतोष्ण वन	1.18	12.60	41.51	44.71
12	हिमालय शुष्क समशीतोष्ण वन	0.00	6.25	31.24	62.51
13	सब-अल्पाइन वन	0.00	2.18	14.13	83.69
14	आर्द्र अल्पाइन झाड़ीदार वन	0.00	0.00	12.91	87.09
राष्ट्रीय स्तर		**2.40**	**7.49**	**54.40**	**35.71**